Psychology / Topographical aspects of Mind
B.A. II (H) III Paper
Date __/__/__

मन का आकारात्मक पहलू :— फ्रायड ने मन के तीन आकारात्मक पहलू की कल्पना की है। इन तीनों की व्याख्या के आधार पर हम मानव-मन के बारे में बहुत कुछ समझ सकते हैं। मन के तीनों आकारात्मक पक्ष इस प्रकार है :—

(1) **चेतन स्तर :—** मन के ऊपरी परत को चेतन स्तर कहा गया है। वर्तमान से सम्बन्धित सभी बातें हमारे चेतन-स्तर में रहती है। अभी हम जो बोल, सुन कर रहे हैं, वह हमारे चेतन स्तर में है।

(2) **अवचेतन स्तर :-** चेतन स्तर से नीचे के भाग को अवचेतन स्तर कहा गया है। इसमें वैसी स्मृतियाँ रहती है, जिसे हम प्रयास करके अपने चेतन स्तर में ला पाते हैं। जैसे विद्यार्थी परीक्षा के दौरान अवचेतन स्तर में स्थित प्रश्नोत्तर को चेतन-स्तर में लाता है और प्रश्नों का उत्तर देता है।

(3) **अचेतन-स्तर :-** मन के सबसे नीचली परत को फ्रॉयड ने अचेतन की संज्ञा दी है। अचेतन स्तर में वैसी स्मृतियाँ रहती है जिसे व्यक्ति चाहकर अपने चेतन-स्तर में नहीं ला पाता है। ये स्मृतियाँ

मन के आकारात्मक पक्षों को निम्न चित्र के द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है :-

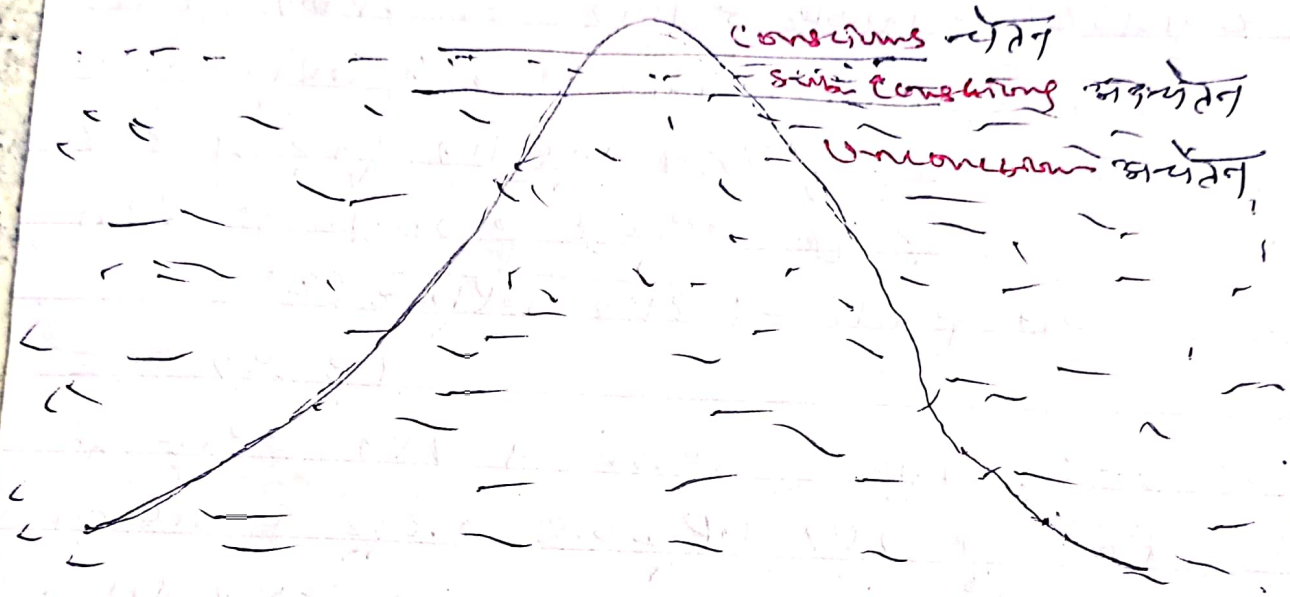

उपर्युक्त चित्र सागर में तैरते एक Ice-berg - बर्फखण्ड का है। Ice-berge का दसवाँ भाग पानी के ऊपर दिखाई देता है और 9/10 भाग पानी के अन्दर होता है। Freud ने कहा है कि Ice-berg के समान ही हमारा मन है। Iceberg का जो भाग बाहर से दिखाई देता है वह चेतन मन के समान है। Ice-berg का कुछ भाग जो पानी के अन्दर होता है वह भी दिखाई देता है जो अवचेतन का प्रतीक है और Ice-berg का बहुत बड़ा भाग लगभग 9/10 भाग दिखाई नहीं देता है जो अचेतन के समान है।

Ice-berg के नीचले भाग की तरह ही हमारा अचेतन भाग है। Freud के अनुसार व्यक्ति के व्यवहार को अचेतन मन अधिक प्रभावित करता है, क्योंकि इसमें बहुत सारे दमित विचार संचित होते हैं।